मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 3

MHN–009

एम. ए. (हिन्दू अध्ययन) (एम. ए. एच. एन.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2025

एम.एच.एन.-009 : राजव्यवस्था तथा प्रशासन

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *यह प्रश्न-पत्र दो खण्डों में विभक्त है। दोनों खण्ड अनिवार्य हैं। खण्डों में दिए गए निर्देशानुसार ही प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

खण्ड—क

नोट : *निम्नलिखित में से किन्हीं* ***चार*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

$4 \times 15 = 60$

1. राजशास्त्र की अवधारणा क्या है ? राजशास्त्र के उद्‌भव का वर्णन कीजिए।

2. राजशास्त्र के विचारक के रूप में मनु एवं शुक्र का वर्णन कीजिए।

3. राष्ट्र का क्या अर्थ है ? पठित अंश के आधार पर राष्ट्र के स्वरूप का वर्णन कीजिए।

4. राजशास्त्र के अर्वाचीन विचारकों का सामान्य परिचय दीजिए।

5. राजा के स्वरूप का वर्णन कीजिए।

6. मन्त्री के स्वरूप का वर्णन कीजिए।

7. राजशास्त्र के प्राचीन विचारकों में वाल्मीकि के विचारों का वर्णन कीजिए।

8. विधि के स्रोतों का वर्णन कीजिए।

खण्ड—ख

नोट : *निम्नलिखित में से किन्हीं* ***चार*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

$4 \times 10 = 40$

1. राजशास्त्र के विचारक के रूप में कौटिल्य का वर्णन कीजिए।

2. भारतीय राजशास्त्र के विकास का वर्णन कीजिए।

3. न्यायालय के नियमों का वर्णन कीजिए।

4. अपराध के स्वरूप एवं प्रकारों का वर्णन कीजिए।

5. दण्ड के सिद्धान्तों का वर्णन कीजिए।

6. मन्त्रिपरिषद् के स्वरूप का वर्णन कीजिए।

7. षाड्गुण्य उपाय से आप क्या समझते हैं ? वर्णन कीजिए।

8. राज्य एवं राष्ट्र में क्या अन्तर है ? वर्णन कीजिए।

× × × × ×